



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 505] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 14, 1992/अग्राहायण 23, 1914
No. 505] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 14, 1992/AGRAHAYANA 23, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be held as a
separate compilation

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

प्रतिभूति

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 1992

सा.का.नि. 924(अ).—केन्द्रीय स.का.र. कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1)
की धारा 609 द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए कम्पनी विनियम, 1956 में निम्न-
लिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

1..(i) इन विनियमों का सक्षिप्त नाम कम्पनी (संशोधन) विनियम, 1992 है।

(ii) ये 1 जनवरी, 1993 को प्रवृत्त होंगे।

2. कम्पनी विनियम, 1956 में, विनियम 17 में:—

(क) उप विनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(2) यदि ऐसी कोई दस्तावेज किसी भी संबंध में त्रुटिपूर्ण या अपूर्ण पाई जाती है तो रजिस्ट्रार कम्पनी को सूचना दिए जाने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर त्रुटि दूर करे या दस्तावेज पूरी करने अथवा सभी दृष्टि से पूर्ण पुनरीक्षित दस्तावेज फाइल करने की सूचना देगा।”

(ख) उप-विनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उप-विनियम अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(3) कम्पनी का सूचना दिए जाने के पश्चात् पन्द्रह दिन के भीतर त्रुटि दूर करने का या दस्तावेज पूरी करने से कम्पनी को और से असफल होने की दशा में दस्तावेज रजिस्ट्रार द्वारा यथानियत रजिस्ट्रोक्त अतिनिश्चित या फाइल किया जाएगा और कम्पनी को तदनुसार सूचित कर दिया जाएगा।”

[फा. स. 14/3/87—सीएल—V]

मुधा पिल्ले, सयुक्त सचिव

टिप्पणी:—मूल अधिसूचना का.नि.स. 432-अ, तारीख 18-2-1966 द्वारा प्रकाशित की गई थी और तत्पश्चात् उसका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया है:—

1. सा.का.नि. 188 तारीख 9-1-1958
2. सा.का.नि. 399 तारीख 24-3-1962
3. सा.का.नि. 1860 तारीख 1-12-1966
4. सा.का.नि. 1445 तारीख 16-9-1967
5. सा.का.नि. 668 तारीख 10-6-1973
6. सा.का.नि. 523 तारीख 11-7-1989
7. का.आ. 267(अ) तारीख 31-5-1991

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th December, 1992

G.S.R. 924(F).—In exercise of the powers conferred by section 609 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following further amendments in the Companies Regulations, 1956, namely:—

(1) (i) These regulations may be called the Companies (Amendment) Regulations, 1992.

- (ii) They shall come into force on 1st day of January, 1993.
2. In the Companies Regulations, 1956, in regulation 17 —
- (a) for sub-regulation (2) the following shall be substituted, namely :—
- “(2) If any such document is found to be defective or incomplete in any respect, the Registrar shall give notice in writing to the company to rectify the defect or complete the document or to file a revised document complete in all respects, within fifteen days from the date of such notice.”
- (b) after sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—
- “(3) In case of failure on the part of the company to rectify the defect or to complete the document within fifteen days after giving notice to the company, the document shall be registered, recorded or held as the case may be, by the Registrar and the company shall be informed accordingly.”

(F. No. 14/3/87-CL-V)
SUDHA PILLAI, Jt. Secy.

Foot note : Principal regulations were published in the Gazette of India vide No. SRO No. 432B dated 18-2-1956 and subsequently amended by :—

1. No. GSR 188 dated 9-1-1958.
2. No. GSR 399 dated 24-3-1962.
3. No. GSR 1850 dated 1-12-1966.
4. No. GSR 1445 dated 16-9-1967.
5. No. GSR 668 dated 10-6-1973.
6. No. GSR 523 dated 11-7-89.
7. No. SO 367(E) dated 31-5-91.

